GEOGRAPHY

Test-8

OPT DTVF -23 **G-2308**

Time Allowed: Three Hours | *Maximum Marks : 250*

Name: Jatin Kumar **Mobile Number:**

Medium (English/Hindi): Hindi **Reg. Number: _____**

Center & Date: Online – 09.08.2023 **UPSC Roll No. *(If allotted)*:**

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** which are printed in **ENGLISH.***

*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*

*Questions no. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** from each section.*

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (Q.C.A.) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Illustrate your answers with suitable sketches/maps and diagrams, wherever considered necessary. These shall be drawn in the space provided for answering the question itself.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

Q. No.	a	b	c	d	e	Total Marks	Q. No.	a	b	c	d	e	Total Marks
1	2·5	4	3	3			5	2	1·5	2·5	4	3·5	
2	9·5	6·5	5·5				6						
3	5·5	4·5	5				7						
4							8	6	4·5	5·5			
						Grand Total							78·5

Evaluator (Signature)

Reviewer (Signature)

Feedback

1. Context Proficiency
2. Introduction Proficiency
3. Content Proficiency
4. Language/Flow
5. Conclusion Proficiency
6. Presentation Proficiency

---

1. संदर्भ दक्षता ठीक है।
2. परिचय दक्षता में सुधार हेतु प्रभावी परिभाषा, प्रश्न के कीवर्ड का संक्षिप्त परिचय दें।
3. विषय वस्तु दक्षता में सुधार का प्रयास करें। उदाहरणों, आंकड़ों रिपोर्टों सहित चर्चा करें।
4. भाषा/प्रवाह ठीक है।
5. निष्कर्ष दक्षता में सुधार का प्रयास करें।
6. प्रस्तुति दक्षता में सुधार हेतु प्रयास करें।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

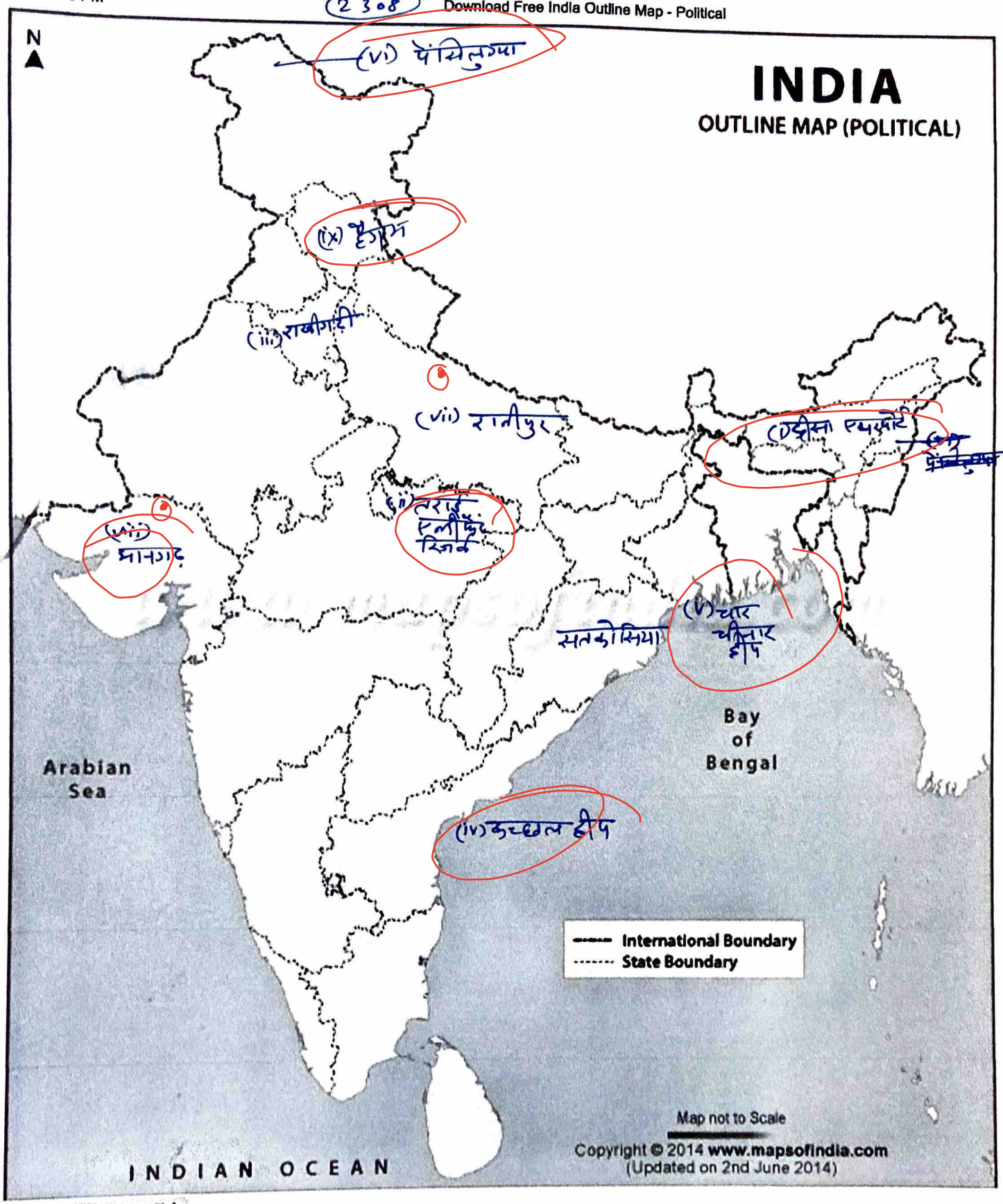

Tweet This

Disclaimer: All efforts have been made to make this image accurate. However Mapping Digiworld Pvt Ltd and its directors do not own any responsibility for the correctness or authencity of the same.

adpushup

भूगोल test-08 (2308)

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

1 (a) (i) डीसा हवाई अड्डा –

- हाल ही में UDAN योजना के अन्तर्गत शामिल
- उत्तर पूर्वी भारत तक कनेक्टिविटी
- ASEAN देशों तक पहुँच के लिए महत्वपूर्ण

गुजरात के बनासकांठा में

?

(ii) तराई एलीफेंट रिजर्व –

- गंगा के तराई प्रदेश में मध्यप्रदेश में स्थित
- हाथियों के संरक्षण के लिए प्रसिद्ध
- हाथियों की संख्या में वृद्धि

• लखीमपुर खीरी
• पीलीभीत

(iii) राखीगढ़ी –

- महत्वपूर्ण हड़प्पा स्थल
- हरियाणा में स्थित
- भारत का सबसे बड़ा हड़प्पा क्षेत्र

(iv) चार चिनार द्वीप –

- भारत का महत्वपूर्ण द्वीप
- EEZ में वृद्धि के लिए उपयुक्त
- खनिज संसाधनों की मात्रा

जम्मू कश्मीर के डल झील में स्थित एक द्वीप

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

(iv) कच्छतल द्वीप :-

- अत्यन्त महत्वपूर्ण द्वीपीय प्रदेश।
- भारत के EEZ में वृद्धि

(vi) पेंसिलुंग्पा ग्लेशियर -

- जलवायु परिवर्तन के कारण खतरा।
- भारत के शीर्षतम उत्तरी क्षेत्र में स्थित

लद्दाख में स्थित

(vii) रानीपुर टाईगर रिजर्व -

- उत्तरप्रदेश में टाईगर रिजर्व
- हाल की बाघ जनगणना में बाघों की संख्या में वृद्धि

चित्रकूट में स्थित

(viii) मानगढ़ पहाड़ी -

- गुजरात में स्थित
- पाल-दाधवाव नरसंहार के कारण प्रसिद्ध

गुजरात राजस्थान सीमा पर स्थित

(ix) छागम वेटलैंड -

- हिमाचल प्रदेश में आर्द्रभूमि

झेलम नदी बेसिन के अंतर्गत

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

- आर्द्रभूमि खतरे के लिए खबरों में
- जलीय जीव एवं पेड़-पौधों के लिए प्रसिद्ध

(x) सतकोसिया गॉर्ज :-

- उड़ीसा में महानदी पर स्थित
- भारत का सौन्दर्य बोधक गार्ज
- गॉर्ज - समान्तर दीवारों के माध्यम से निर्मित नदीय स्थलाकृति

सटीक भौगोलिक अवस्थिति की चर्चा करें

मॉडल उत्तर देखें।

2½/20

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

(1) (b)

शून्य बजट प्राकृतिक कृषि भारत में स्थायी कृषि की चुनौतियों का पर्याप्त समाधान प्रदान कर सकती है। स्पष्ट कीजिये।

शून्य बजट प्राकृतिक खेती (ZBNF) से आशय उस खेती से है जिसमें शून्य बजट का उपयोग कर उत्पादन को अधिकतम करने का प्रयास किया जाता है।

ZBNF के घटक :-

- प्राकृतिक बीजों अथवा फसलीय बीजों का प्रयोग करना
- जैव उर्वरकों का उपयोग
- सिंचाई के लिए वर्षा जल का उपयोग करना
- खरपतवारनाशी के रूप में छोटे पादपों का उपयोग करना
- पारम्परिक कार्बन पद्धतियों द्वारा उत्पादन को बढ़ावा देना

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

ZBNF कृषि चुनौतियों के समाधान के रूप में :-

1. न्यूनतम इनपुट से अधिकतम लाभ की सुनिश्चितता जिससे किसानों की आय में वृद्धि

2. जैव उर्वरकों का उपयोग जिससे रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता में कमी एवं किसानों के व्यय में कमी, मृदा न्यूनीकरण में कमी

3. बागवानी एवं पशुपालन के माध्यम फसली बीमा के रूप में उपयोग

4. वर्षा पर न्यूनतम निर्भरता एवं जल एकत्रण व परम्परागत जल तकनीकों यथा- तालाब, कुँए आदि पर जोर देना।

भारतीय कृषि की बढ़ती असमानता के कारण ZBNF कृषि को व्यावहारिक बनाने की आवश्यकता है ताकि किसानों की आय दोगुनी की जा सके।

4/10

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

(1) (c) मरुस्थल विकास कार्यक्रम पर एक संक्षिप्त टिप्पणी दीजिये।

मरु विकास कार्यक्रम:

एक क्षेत्र आधारित विकास कार्यक्रम का भाग है जिसके अन्तर्गत मरुस्थलीय क्षेत्र के विकास पर जोर दिया जाता है।

मरु विकास कार्यक्रम के लाभ :-

1. 1960-70 के दशक में मरुस्थलीकरण को रोकने का प्रयास
2. मरुस्थलीय क्षेत्रों की उत्पादकता बढ़ाने की कोशिश
3. शुष्क फसली खेती को प्रोत्साहन जैसे - बाजरा आदि
4. जल संरक्षण की परम्परागत तकनीकों पर जोर देना
5. पवन के कारण होने वाले अपरदनों को रोकने के लिए मेड़ बाँधना एवं वर्षण कम करने का प्रयास

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

मरु विकास कार्यक्रम की चुनौती –

1. सीमित क्षेत्र में
2. लोगों की भागीदारी का अभाव
3. एक ही क्षेत्र में अनेक कार्यक्रम चलाने के कारण अतिव्यापन
4. अन्तत: विकासीय परिणामों की प्राप्ति ना होने के कारण इस कार्यक्रम को स्थगित कर दिया।

मरु विकास कार्यक्रम 1960-70 के दशक का अति महत्वपूर्ण कार्यक्रम सिद्ध हुआ जिसने व्यापक स्तर पर लोगों में जागरूकता पैदा की एवं क्षेत्रीय स्तर पर विकास कार्यों का प्रोत्साहन किया।

3/10

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

1 (a) कृषि जलवायु क्षेत्रों से आप क्या समझते हैं? जलवायु क्षेत्रीय योजना के प्राथमिक उद्देश्यों पर चर्चा कीजिये।

कृषि जलवायु प्रदेशों से आशय किसी विशेष क्षेत्र की जलवायु के आधार पर उस क्षेत्र को परिभाषित करना है।

कृषि जलवायु क्षेत्र को सटीकता से परिभाषित करें।

जलवायु क्षेत्रीय योजना के उद्देश्य :-

1. संसाधनों का समुचित उपयोग सुनिश्चित करना
2. विशेष फसल के लिए उपयुक्त क्षेत्रों का चुनाव
3. फसली आधार पर क्षेत्र के विकास के लिए प्रयास करना
4. उस क्षेत्र के लोगों के डाटा का निर्माण एवं तदनुसार नीति निर्माण

उत्पादकों की शुद्ध आय में वृद्धि

इस प्रश्न को सटीकता से विश्लेषणात्मक चर्चा करें।

आधार
→ जलवायु
→ स्थिति
→ सामाजिक-सांस्कृतिक कारण

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन एवं नेशनल रिमोट सेंसिंग एजेंसी ने भारत को 15 भागों में विभक्त किया है जो निम्नानुसार है।

1. पश्चिमी हिमालय
2. पूर्वी हिमालय
3. निचला गंगा मैदान
4. मध्य गंगा मैदान
5. उच्च गंगा मैदान
6. पार गंगा मैदान
7. पूर्ववर्ती पहाड़
8. मध्यवर्ती पहाड़
9. पश्चिमवर्ती पहाड़
10. दक्षिणी पहाड़
11. गुजरात के मैदान
12. मरुस्थलीय क्षेत्र
13. पश्चिमी तट
14. पूर्वी तट
15. द्वीप

उपरोक्तानुसार भारत का कोई भौगोलिक प्रदेश विविध फसलों हेतु अनुकूलन प्रदर्शित करता है जिसका सहारा लेकर खेती की जाती है।

3/10

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

② ⓐ भारत में विभिन्न प्रकार के सूखे का वर्णन कीजिये; सबसे अधिक सूखा प्रभावित क्षेत्रों पर प्रकाश डालते हुए सूखे के प्रभाव को कम करने के उपायों पर चर्चा कीजिये।

सूखे से सामान्यत: आशय उस स्थिति से समझा जाता है जब किसी क्षेत्र में वर्षा की मात्रा अत्यधिक कम हो जाती है यह कमी 50-75 cm. से न्यून होनी चाहिए।

भारत मे सूखा प्रकार :—

- सूखे को चार प्रकार से वर्गीकृत किया जा सकता है।

1. मौसम विज्ञानी सूखा —
   - इस सूखे में क्षेत्र विशेष में बारिश की मात्रा में कमी हो जाती है।
   - 50 सेमी. से कम वर्षा

50% से अधिक कमी

2. जल विज्ञानी सूखा :—
   - जब जल का स्तर जलाशयों में निम्न होने लगे तो इस प्रकार के सूखे की स्थिति होती है।
   - यह मानवीय कारणों से भी हो सकता है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

3. कृषि सूखा –

– जब कृषि क्षेत्र में फसलीय उत्पादन कम होने लग जाये

मृदा में नमी की मात्रा में अत्यधिक कमी

4. पारिस्थितिक सूखा –

– जब विशेष पारिस्थितिक तंत्रों की उत्पादकता कम होने लगे

जल की कमी के कारण

सूखा प्रभावित क्षेत्र :–

1. अत्यधिक सूखा –
– जहाँ वर्षा न्यूनतम हो
– मानसूनी प्रभाव न्यून
जैसे – राजस्थान का पश्चिमी भाग, गुजरात का कुछ क्षेत्र

चित्र: सूखा प्रभावित क्षेत्र

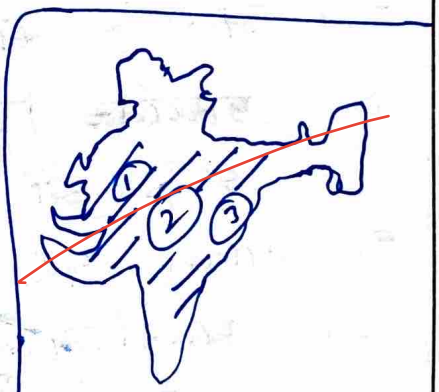

2. मध्यम सूखा क्षेत्र :–
– जहाँ सूखा का प्रभाव समयानुरूप होता है, बारिश की कमी या अधिकता के कारण यह प्रारूप परिवर्तित होता रहता है।
उदा० – महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश आदि।

3. निम्न सूखा –
– ये सामान्यतः अच्छी वर्षा वाले क्षेत्र होते हैं वर्षा 100 – 150 सेमी.
जैसे – उड़ीसा, छत्तीसगढ़ आदि

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

सूखे के प्रभाव :-

1. फसलीय उत्पादकता में कमी
2. खाद्य सुरक्षा का संकट उत्पन्न होना
3. संचरणीय बीमारियों का फैलना
4. मानव एवं जीवों की मृत्यु
5. प्रवास के कारण जनसांख्यिकीय परिवर्तन
6. औद्योगिक स्तर में अत्याधिक कमी
7. आय के संसाधनों का ह्रास
8. प्राथमिक, द्वितीयक व तृतीयक आर्थिक प्रक्रियाओं का विनाश
9. मानव पर मनोवैज्ञानिक प्रभाव
10. पारिस्थितिक तंत्र का विनाश एवं जैव विविधता की हानि

सूखे के प्रभाव को कम करने के उपाय :-

1. नदी जोड़ो परियोजना को गति जैसे- केन-बेतवा, गोदावरी - इत्यादि आदि
2. जल संरक्षण कार्यक्रम - वाटरशेड विकास को अनिवार्य बनाना
3. आर्थिक क्रियाओं में विविधता

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

4. फसली विविधीकरण
   उदा० कम जल क्षेत्रों में मिलेट को प्रोत्साहन

5. भौम जल संसाधनों की खोज

6. व्यापक खाद्यान्न भण्डारण एवं परिवहन सुविधाओं का विकास

7. प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अन्तर्गत शीघ्र बीमा का भुगतान

8. सूखाग्रस्त क्षेत्रों में तकनीकी का उपयोग करते हुए शीघ्र बचाव कार्य करना

सूखा व्यक्ति पर मनोवैज्ञानिक, शारीरिक एवं आर्थिक प्रभाव डालता है जिसे हमें समय पूर्व ही अवरोध करने की आवश्यकता है ताकि विशाल जनां किकी लाभांश की रक्षा की जा सके।

Introduction को और बढ़ायें।

9½/20

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

2 (b)

भारतीय कृषि अनेक समस्याओं से ग्रस्त है। भारतीय कृषि उत्पादकता से जुड़ी आर्थिक और ढांचागत समस्याओं पर चर्चा कीजिये।

भारत लगभग 130 करोड़ की जनसंख्या वाला देश है जिसकी 70% जनसंख्या गाँवों में निवास करती है। भारतीय जनसंख्या का 60% हिस्सा कृषि पर निर्भर करता है।

- कृषि प्राथमिक क्षेत्र के रूप में भारतीय GDP में 14% योगदान करती है एवं समस्त प्राथमिक क्षेत्र GDP का 18% योगदान प्रदान करता है।
- भारतीय कृषि विभिन्न समस्याओं से ग्रस्त रही है।

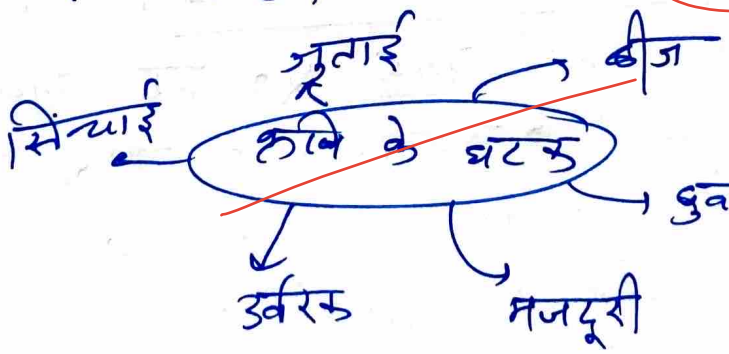

कृषि की आर्थिक समस्या :-

① कृषि जोतों का छोटा आकार :-

- भारत के 86% जोतों का आकार 2 hect. से कम

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

- औसत जोत आकार 1.08 हेक्टेयर / अधिकतर
- बढ़ती जनसंख्या एवं संतानों में भूमि का विभाजन

② ऋण तक न्यून पहुँच -

- 60% से अधिक ऋण साहूकारों से
- बैंकों तक निम्न पहुँच

③ MSP की सुनिश्चितता नहीं -

- सीमित फसलों पर MSP
- MSP के अन्तर्गत सीमित खरीद
- बिचौलियों का प्रभाव

④ गरीबी -

- अधिकतर किसान BPL
- स्वयं के खाद्यान्न के लिए जीवन निर्वाह खेती

कृषि के संस्थागत समस्या :-

① उचित बीज का अभाव - कमी

- अधिकतर किसान पिछली फसलों के बीज पर निर्भर

② सिंचाई साधनों की कमी एवं सिंचाई के लिए महँगे उपकरणों तक पहुँच नहीं

③ कृषि मशीनीकरण का अभाव कमी

- कृषि में ट्रैक्टर, हार्वेस्टर का प्रयोग कम
- अधिकतर किसानों द्वारा मजदूरी करवाकर ही फसल बुवाई व कटाई

(4) उर्वरकों की बढ़ती कीमतें एवं क्षेत्रीय असमानता :-

- उर्वरक की अनुमेय मात्रा 4:2:1
  वर्तमान मात्र 8.2 : 4.2 : 1
- हाल में यूरिया की बाजार में अनुपलब्धता देखी गयी

(5) परिवहन एवं भण्डारण साधनों की कमी-

- छोटे किसानों के पास भण्डारण सुविधा नहीं
- फीडर सड़कों का अभाव

आगे की राह

- → कृषि में जैविकता को प्रोत्साहन
- → PM फसल बीमा योजना के अन्तर्गत सभी किसानों को लाया जाये
- → e-NAM प्रणाली का विस्तार
- → ZBNF को प्रोत्साहन
- → परिवहन, भण्डारण -अतिशीतित सुविधाओं का विकास
- → वैज्ञानिक एवं वाणिज्यिक खेती को प्रोत्साहन

कृषि की किंगतताओं एवं समस्याओं के समाधान द्वारा भारत विश्व में खाद्य एवं अखाद्य उत्पादों के निर्यात में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

विश्लेषणात्मक समझ और बढ़ाएं।

6½/15

2 c

भारत में वर्तमान भूमि उपयोग पद्धति पर एक व्याख्यात्मक नोट लिखिये। यह भी जाँच कीजिये कि भारत में अधिकांश जोत छोटी क्यों हैं।

भूमि उपयोग पद्धति को समझायें।

भारत में भूमि जोतें शनै: शनै: आकार में छोटी हो रही है। वर्तमान में अधिकांश जोतें 1.08 हेक्टेयर एवं 2 हेक्टेयर के मध्य है (लगभग 86%)।

भारत में भूमि उपयोग पद्धति :-

- भारत में भूमि प्राथमिक, द्वितीयक व तृतीयक क्षेत्रों हेतु उपयोग की जा रही है।
- काबे में मुख्यत: जीवन-निर्वाह खेती के कारण खेती में उत्पादन अत्यधिक कम है।
- विश्व के 2.4 भू-भाग पर बसा भारतीय क्षेत्र 328 मिलीयन हेक्टेयर क्षेत्र में फैला हुआ है।
- इस क्षेत्र में लगभग 21.67% भू-भाग पर वन फैले हैं।
- भारतीय नागरिक अपनी खेती के

रुद्ध बोया गया क्षेत्र कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 46% है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

पैटर्न को प्राकृतिक संसाधनों की उपलब्धता के अनुसार से संरचित करने का प्रयास करते हैं।

- किसी नदी स्थल या जलीय संरचना के आसपास सामान्यतः बस्तियां पायी जाती है।
- इससे हटकर की ओर व्यक्ति खेतों में कार्य करता है।
- खेतों में आजकल फार्म हाउस का पैटर्न नवीन है जिसमें लोग वहीं रहकर फसल उत्पादन कार्य करते हैं।
- शहरी क्षेत्रों में केन्द्रीय स्थल के चारों ओर बसाव की प्रवृत्ति होती है एवं मुख्य संस्थान एवं सरकारी कार्यालय यहाँ स्थित होते हैं।

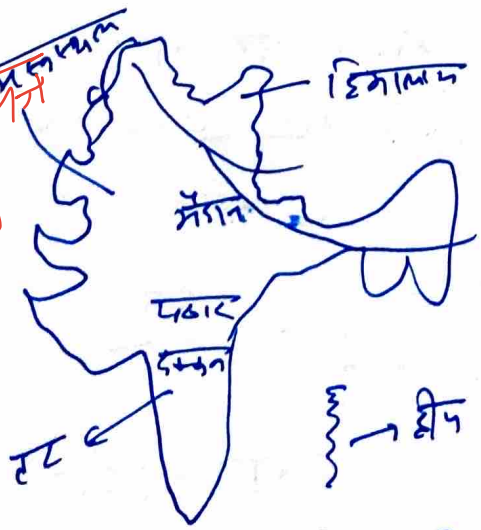

चित्र: भारत के भूमि उपयोग

- भारतीय भूमि पर्वत, पठार, मैदान, मरुस्थल, घाट आदि सभी प्राकृतिक स्थल रूपों के समाहित है।

UPSC

भारत में अधिकांश जोतें छोटी क्यों?

1. बढ़ती जनसंख्या के कारण लोगों द्वारा आवास की आवश्यकता
2. नवीन पीढ़ियों में भूमि का समान बँटवारा। वर्तमान में पुत्रियों को भी भूमि में समान अधिकार
3. सहकारी खेती का अभाव
4. खेती व फार्महाउस बनाने की परिकल्पना जिससे भूमि छोटी हो जाती है।

आगे की राह
- सहकारी खेती
- भूमि को पट्टे पर देना।
- चकबंदी प्रयास
- भूमि का पुनर्वितरण।

भूमि एक अत्यन्त उपयोगी संसाधन है जो अन्य प्रक्रियाओं के लिए उपयुक्त सतह का कार्य करता है अतः इसके द्वारा आर्थिक विकास को भी प्रोत्साहन मिलता है।

5½/15

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

3 (a)

विश्व में सबसे अधिक पशुधन होने के बाद भी, गुणात्मक रूप से भारत दूध निर्यात में एक प्रमुख प्रतिभागी नहीं है। वर्तमान में भारत में डेयरी क्षेत्र के सामने आने वाली चुनौतियों पर चर्चा कीजिये।

भारत विश्व में पशुधन का सबसे बड़ा देश है जहाँ लगभग 536 मिलियन पशु पाले जाते है। पशुधन से आशय उन पशुओं से है जो वाणीज्यिक या सामाजिक उद्देश्यों हेतु पाले जाते है जो वन्य नहीं है।

भारत :-
- भैंस - 110 मिलियन
- भेड़ - 74 मिलियन
- ऊँट - 2.5 लाख

पशुधन का उपयोग :-

1. दूध, मांस प्राप्ति के लिए उदा० -मुर्गी, बकरी
2. फसल के लिए बीमा साधन के रूप के
3. ग्रामीण क्षेत्रों मे 96% लोगों के पास पशुधन - आय का महत्वपूर्ण स्रोत
4. बुजुर्ग लोगों का महत्वपूर्ण साथी
5. पारिस्थितिक लाभ के कारण पशु पाले जाते रहे है।

भारत के डेयरी विकास का परिचय दें।

भारत के डेयरी क्षेत्र की समस्या की चर्चा करें।

- विकास के अंतर्गत पैटर्न
- नम उत्पादकता

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

भारत में दूध की स्थिति -

- भारत में दूध मुख्यत: भैंस, गाय, बकरी, भेड़ व ऊँट द्वारा प्राप्त
- दूध का सामान्यत: घरेलू कार्यों एवं जीवन निर्वाह के लिए उपयोग
- 40% दूध पीने के लिए, 20% घी के लिए
- वर्तमान में दूध क्रांति के कारण दूध के परिदृश्य में सुधार

दूध क्षेत्र का विकास :-

- श्वेत क्रांति के कारण दूध की कुल मात्रा में वृद्धि
- वर्तमान में लगभग 112 मिलियन टन दूध का उत्पादन
- प्रति व्यक्ति दूध उपलब्धता 263 ग्राम

श्वेत क्रांति के चरण -

1. प्रथम चरण (1970s - 1980s)
   - दूध का उत्पादन बढ़ाने पर फोकस
   - MP व गुजरात जैसे 10 राज्यों में
2. दूसरा चरण -
   - सहकारी समितियों का विकास

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

3. तृतीय चरण -

- लगभग 35000 सहकारी समितियाँ
- इनमें लगभग 15 मिलीयन लोग जुड़े हुए

डेयरी क्षेत्र के समक्ष आने वाली चुनौती:-

1. भारतीय पशुओं की कुशलता के कारण दूध की न्यून उत्पादक क्षमता -
   - भारत में 200 ली० लगभग एवं पश्चिमी देशों स्विट्जरलैण्ड में 4500 ली०
2. बीमा सम्बन्धी जागरूकता नहीं -
   - लगभग 6% पशुओं का बीमा
3. खुरपका मुहँपका एवं ब्रुसेलोसिस जैसे रोग
4. कृषि के साथ घरेलू आवश्यकता के लिए ही पशुपालन
5. पशुओं में टीकाकरण का अभाव
6. लोगों में सहकारी समिति निर्माण के लिए जागरूकता का अभाव
7. विभिन्न विदेशी नस्लों से संकरण नहीं
8. भण्डारण सुविधाओं का अभाव

आगे की राह :-

- रोगों की रोकथाम के लिए मोबाइल वेटरनरी यूनिट
- जनजागरूकता, पशुओं में बीमा को बढ़ावा देना द्वारा राजस्थान मॉडल
- राष्ट्रीय गोकुल मिशन
- नेशनल पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम
- मिश्रित कृषि को अपनाना

पशुपालन एवं इनसे प्राप्त उत्पाद जैसे दूध भारत की GDP के साथ-साथ ग्रामीण परिवारों का फैमिली बजट भी निर्धारित करते है। इनके लिए एक व्यापक एवं बहुमुखी सोच की आवश्यकता है।

प्रश्न की मांग के अनुसार अधिक उत्तर लिखें।

मॉडल उत्तर देखें।

5½ / 20

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

(3) (b) "बेहतर आधुनिक बुनियादी ढाँचे के साथ मत्स्य पालन उद्योग ने पारंपरिक निर्वाह प्रकार के उद्यम से बड़े पैमाने पर परिवर्तन देखा है।" मत्स्य पालन उद्योग में उपयोग की जाने वाली कुछ आधुनिक और बेहतर बुनियादी ढांचागत प्रौद्योगिकी पर चर्चा कीजिये।

मछलीपालन भारतीय GDP में 1.1 % का योगदान करता है। यह एक प्राथमिक क्षेत्र है जो मछुआरों की आजीविका का स्रोत है।

मत्स्यपालन
- स्वच्छ जल (रोहू, कतला, मृगाला आदि)
- समुद्री जल → लगभग 30% मछली पालन

मत्स्यपालन में आने वाली समस्याएँ :-

1. पारम्परिक तरीके से मत्स्यपालन
2. मछुआरों द्वारा अन्तरराष्ट्रीय जल मे प्रवेश करने से भू-राजनीतिक सम्बन्धों पर प्रभाव जैसे - भारत-श्रीलंका सम्बन्ध
3. अवैध मछली पालन
4. मछुआरों के लिए अलग से कोई बीमा योजना का अभाव

नीली क्रांति की दिशा में उठाये गये कदमों की चर्चा करें।
= बायोफ्लॉक मछली पालन
= गहन मछली पालन

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

5. आधुनिक टूल्स से मत्स्यपालन में आने वाली परेशानियां

जलवायु परिवर्तन के कारण पारिस्थितिकी तंत्र का ह्रास

मत्स्यपालन में आधुनिक एवं बुनियादी ढाँचे :-

1. मत्स्यपालन बुनियादी ढाँचा विकास निधि FIDF :-
   - मत्स्यपालन क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं को प्रोत्साहन
   - मछुआरों के लिए विकास गतिविधियां

2. आधुनिक टूल्स का उपयोग :-
   - बड़ी मछलियों को पकड़ना
   - कम समय एवं ऊर्जा में मछली पकड़ने के लिए

3. मत्स्यपालन के लिए संजालक :-
   - मत्स्य नीतियों का निर्माण
   - मछुआरों के लिए विकासीय गतिविधियों को प्रोत्साहन

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

4. मछुआरों के पहचान पत्रों के निर्माण की प्रक्रिया
5. मछुआरों को बीमा योजना के अन्तर्गत कवर करना।

आगे की राह — एक समन्वित नीति की आवश्यकता
→ पड़ोसी देशों से पारस्परिक सम्बन्ध निर्माण की आवश्यकता
→ नवीन तकनीकों का विकास
→ अनुसंधान एवं विकास हेतु निवेश

तटीय क्षेत्रों (7516.6 किमी.) में मत्स्यपालन आजीविका का महत्वपूर्ण साधन है। इसके उत्थान के लिए प्रयासों में वृद्धि की आवश्यकता है।

विषयवस्तु में समझ का अभाव।

4½/15

Page

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

3 (c)

स्थापित सौर क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि के बावजूद, देश की विद्युत उत्पादन में सौर ऊर्जा का योगदान में सामान रूप से वृद्धि नहीं हुई है। चर्चा कीजिये।

लगभग 412 GW कुल विद्युत क्षमता में से भारत नवीकरणीय स्रोतों से लगभग 19% ऊर्जा प्राप्त करता है। सौर ऊर्जा भी नवीकरणीय ऊर्जा का ही एक भाग है।

सौर ऊर्जा प्राप्ति के तरीके -

1. सोलर हीटर द्वारा - सौर ऊर्जा को भण्डारित करके
2. सोलर फोटोवोल्टिक सेल द्वारा - सोलर सेल द्वारा सीधे प्रकाश ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा में परिवर्तित करके

सौर ऊर्जा की चुनौतियों को चर्चा करें।

चित्र: भारत में ऊर्जा प्राप्ति

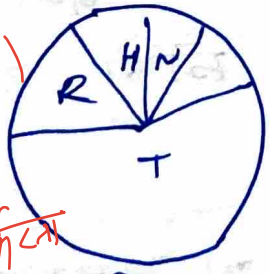

तापीय ऊर्जा (T) - 71%
नवीकरणीय ऊर्जा (R) - 19%
जल विद्युत ऊर्जा (H) - 5%
परमाणु ऊर्जा (N) - 3%

संक्षेप में चर्चा करें।

→ आयात पर उच्च निर्भरता
→ भूमि की कमी
→ लागत तथा ट्रांसमिशन एवं वितरण में हानि

भारत में तापीय ऊर्जा द्वारा सर्वाधिक ऊर्जा प्राप्ति की जा रही है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

सौर क्षमता के उल्लेखनीय वृद्धि :-

- भारत ने अपनी उष्णकटिबंधीय स्थिति का लाभ उठाकर सोलर मिशन की शुरुआत की।
- अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अन्तर्राष्ट्रीय सोलर अलायंस की स्थापना जिसका मुख्यालय गुरुग्राम में है।
- 2022 तक 175 GW ऊर्जा नवीकरणीय स्रोतों से प्राप्त करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य
- लगभग 35 GW सोलर ऊर्जा प्राप्ति के लिए प्रयास
- सोलर रूफ टॉप प्लांट लगाने के लिए सरकार द्वारा सब्सिडी
- भारत का पंचामृत जिसके माध्यम से भारत 2030 तक अपनी 50% ऊर्जा आवश्यकताएं नवीकरणीय स्रोतों से पूरी करेगा।

संक्षेप में चर्चा करें।

विद्युत उत्पादन में सौर ऊर्जा का असमान योगदान क्यों :-

1. तापीय विद्युत उत्पादन का बुनियादी ढांचा स्थापित है एवं इस तरह विद्युत

(Please do not write anything except the question number Is this space) कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

उत्पादन तुलनात्मक रूप से सस्ता है।

2. सौर ऊर्जा के लिए जागरूकता का अभाव देखने को मिलता है

3. सौर ऊर्जा के भंडारण एवं परिवहन साधनों का अभाव

4. महँगा रूफटॉप सोलर प्रोजेक्ट जिससे गरीबों तक पहुँच नहीं

5. रूफटॉप प्लांट के खराब होने पर उसे सुधारने के लिए इंजीनियरों की सीमित उपलब्धता

6. सूर्य की सतहों में अनिश्चितता एवं जलवायु परिवर्तन का प्रभाव

7. वैश्विक प्रयासों की शिथिलता

सौर ऊर्जा भविष्य का वंधन है जिसमें उचित कार्यवाही करके भारत अग्रणी देश बन सकता है। इससे आय वृद्धि के साथ निर्मित द्वारा रोजगार की प्राप्ति भी होगी।

5/15

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

5 (१)

भारत के पुष्प क्षेत्र पर एक टिप्पणी लिखिये।

पुष्प क्षेत्र से आशय उन क्षेत्रों से है जो पुष्पीय कृषि के लिए प्रसिद्ध है। इन क्षेत्रों में विभिन्न प्रकार के पुष्पीय पादपों का विकास किया जाता है।

डॉ. परली वर्गीकरण का परिचय दें।

1. हिमालयी क्षेत्र :-
   - हिमालय के विभिन्न पुष्पीय पादपो जैसे - गुन्धी आदि को फसली रूप से उगाया जाता है।

8 कृषि क्षेत्र (मरोदा)

2. उत्तर पूर्वी क्षेत्र :-
   - उत्तरपूर्व के पुष्पीय पादपों का विस्तारपूर्वक नियोजन किया जाता है।

→ पूर्वी हिमालय
→ पश्चिमी हिमालय

3. पश्चिमी क्षेत्र :-
   - राजस्थान, गुजरात प्रदेशों में रोहिड़ा व गुलाब जैसे पुष्पीय पादपों का विकास किया जाता है।

→ असम क्षेत्र
→ गंगा का मैदान
→

5. मध्य भारत :-

- इस क्षेत्र में सामान्यतः वर्षा 75-100 सेमी.

- अतः शुष्क सदाबहार तरह के पुष्प देखने को मिलते हैं।

आगे की राह
- तकनीकी के साथ पुष्पीय कृषि का प्रोत्साहन
- पुष्पीय पादपों में विविधता
- नवीन पादपों का विकास

चित्र: पुष्पीय पादप

अतः पुष्पीय पादपों के संरक्षण, संवर्धन एवं विकास की आवश्यकता है जिससे इनका सुगन्धित उद्योगों में उपयोग किया जा सके।

विषय वस्तु में समझ बढ़ाएँ

मॉडल उत्तर देखें।

2/10

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

5
6
भूमि क्षमता पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये।

भूमि क्षमता से आशय किसी भूमि प्रदेश की उस क्षमता से है जिससे वह किसी फसल का उत्पादन करता है।

प्रभावी भूमिका लिखें।

भूमि क्षमता को प्रभावित करने वाले कारक:-

1. भूमि उत्पादकता।-
- नदी मैदानी प्रदेशो में अधिक
- पहाड़ी क्षेत्रों में कम

2. मृदा :-
- जलोढ़ मृदा में अधिक क्षमता
- पर्वतीय अथवा मरुस्थलीय मृदा में कम

3. जलवायु :-
- सामान्य जलवायु में उत्पादकता उचित
- चरम जलवायु परिस्थितियों के कारण उत्पादकता में कमी

4. जोत का आकार -
- जोत आकार कम होने पर सामान्यतः

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

उत्पादकता में कमी आती है।

- जोत में वृद्धि होने पर भू-क्षमता बढ़ती है।

5. **भौतिक कारक :-**

- भौतिक हस्तक्षेप के कारण भूमि क्षमता पर प्रभाव

6. **समय -**

- समय एक महत्वपूर्ण कारक है जो भूमि क्षमता को प्रभावित करता है।

- समयानुरूप भूमि उपयोग करते रहने से क्षमता ह्रास होता रहता है।

अत: भूमि क्षमता के निरन्तर प्रबंधन एवं संवर्धन से ही यह संभव है कि भूमि का अधिकतम उपयोग किया जा सके।

पारिस्थितिक भारतीय मृदा एवं भूमि उपयोग सर्वेक्षण संगठन द्वारा पहचाने गये क्षमता वर्गों की चर्चा करें।

1½/10

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

5(c) अपशिष्ट से ऊर्जा पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये।

भारत में अपशिष्ट से ऊर्जा क्षेत्र अपने पूर्ण रूप से विकसित नहीं हो पाया है। यह एक सनराइज उद्योग है।

अपशिष्ट से ऊर्जा के लिए कच्चा माल :-

1. घरेलू अपशिष्ट
2. कृषि अपशिष्ट
3. औद्योगिक अपशिष्ट
4. शहरी अपशिष्ट
5. कार्यालयी अपशिष्ट

अपशिष्ट से ऊर्जा के लाभ :-

1. पराली जैसी समस्याओं का स्थायी व स्वच्छ समाधान जैसे- बायोमास कोफायरिंग
2. आयातित ऊर्जा पर निर्भरता में कमी
3. ऊर्जा के भण्डारण एवं रणनीतिक रिजर्व बनाने सम्बन्धी आवश्यकता में कमी - सुलभ कच्चा माल

उपलब्ध प्रौद्योगिकी
की चर्चा करें।
- बायोमिथेनेशन
- भस्मीकरण

4. किसानों की आय में वृद्धि
5. रोजगार के नवीन अवसर
6. भारतीय आर्थिक विकास - भारत $5 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था

समस्याएँ :-

1. अत्यधिक लागत तकनीक
2. कच्चा माल व्यापक तौर पर किन्तु आवश्यक रूप में उपलब्ध नहीं
3. आवश्यक कौशल व तकनीक का अभाव

आगे की राह -

- नवीकरणीय स्रोतों पर जोर देने की आवश्यकता
- अपशिष्ट के स्थायी समाधान को प्रोत्साहन
- विकेन्द्रीकरण

अतः अपशिष्टों से ऊर्जा निर्माण के अनेकानेक लाभ हैं जिन्हें तकनीकी रूप से प्राप्त किया जाना चाहिए।

विषय वस्तु की समझ बढ़ाए

2½/10

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

5 (a) अधिक उपज देने वाले बीज क्या है? HYV बीजों के लाभों पर चर्चा कीजिये और यह किसानों को उनकी कृषि उत्पादकता बढ़ाने में किस प्रकार सहायता कर सकता है।

HYV वे बीज हैं जो विशेष तौर पर उत्पादित किये जाते हैं एवं फसल की उत्पादकता में वृद्धि करना इनका महत्वपूर्ण लक्ष्य होता है।

गुणवत्ता सामान्य बीजों से बेहतर

भारत में हरित क्रांति के समय से उपयोग में लाये गये

HYV के नुकसान :-

1. अत्याधिक जल की आवश्यकता - सिंचाई द्वारा
2. अत्याधिक सिंचाई से भूमि मे लवणीकरण एवं न्यूनीकरण
3. किसानों के लिए लागत प्रभावी नहीं
4. उपलब्धता सीमित

HYV से किसानों को लाभ एवं उत्पादकता बढ़ाना :-

1. पारम्परिक बीजों से अधिक श्रेष्ठ एवं उत्पादन प्रक्रिया को तेज करते हैं।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

2. कृषि के सभी कारकों यथा- उर्वरक, सिंचाई आदि के साथ मिलकर अन्ततः उत्पादन वृद्धि

3. HYV सामान्यतः औद्योगिक बीज होते हैं जिनसे अन्ततः किसानों के लिए कृषि उत्पादकता बढ़ाने की कोशिश की जाती है।

4. भूमि में प्रति हेक्टेयर कम बीजों की आवश्यकता

5. खरपतवार, कृमियों आदि से सुरक्षा

6. सूखे के प्रति प्रतिरोध

आगे की राह →
- अधिक विकसित बीजों की आवश्यकता
- HYV की न्यूनतम कीमत पर उपलब्धता
- HYV के वितरण में समानता

द्वितीय हरित क्रांति के प्रारम्भ तक हमें उच्च तकनीक के HYV को विकसित करने की आवश्यकता है।

छोटा जीवन चक्र
उपयोग कि सुलभता

4/10

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए! Candidates must not write on this margin.

5 (e)

भारत के सूखाग्रस्त क्षेत्रों में शुष्क कृषि के महत्व पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये।

शुष्क कृषि का परिचय दें।

भारत का लगभग 12% क्षेत्र सूखा से प्रभावित रहता है। सूखे से आशय सामान्यत: किसी क्षेत्र में 50 सेमी. से कम वर्षा का होना है। इससे कृषि पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

शुष्क कृषि :-

- ~~शुष्क कृषि से आशय है- सूखाग्रस्त क्षेत्रों में न्यूनतम जल की आवश्यकता द्वारा खेती की जाती है~~

सूखाग्रस्त क्षेत्रों में शुष्क कृषि का महत्त्व :-

1. न्यून वर्षा की उपलब्धता के कारण सीमित जल का संधारणीय तरीके से उपयोग संभव

महत्त्वपूर्ण बिंदु (महत्त्व) के मामले में असंगत

2. ~~शुष्क कृषि से आशय सूखारोधी फसलों का उत्पादन है।~~

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

3. शुष्क हवा द्वारा सूखाग्रस्त क्षेत्रों में उपजाऊता बढ़ाई जा सकती है।

4. इससे खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी

5. न्यूनतम व इनपुट पर अधिकतम आउटपुट प्राप्ति

6. सूखों के प्रति प्रतिरोधकता का विकास

आगे की राह → ड्रोट प्रोन एरिया प्रोग्राम
→ कम पानी वहनीय फसलों की खेती
→ शुष्क खेती को प्रोत्साहन
→ ड्रिप सिंचाई का उपयोग

अतः शुष्क कृषि सूखाग्रस्त क्षेत्रों के लिए वरदान साबित हो सकती है एवं संभावित सूखे के प्रभाव को रोक सकती है।

3 1/2
10

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions In NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

(8) (9) "हरित क्रांति" ने भारत को खाद्यान्न की कमी वाले देश से खाद्यान्न-अधिशेष, निर्यात-उन्मुख देश मे परिवर्तित किया। अब देश दूसरी पीढ़ी की समस्याओं का सामना कर रहा है। कथन की विस्तृत व्याख्या कीजिये।

भारत की बढ़ती जनसंख्या की खाद्य आवश्यकताओं की पूर्ति करने के लिए 1966 में हरित क्रांति का प्रयोग किया गया। जिसे एम. एस. स्वामीनाथन द्वारा धरातल पर लाया गया।

- मैक्सिको में नॉर्मन बोरलॉग द्वारा
- हरित क्रांति शब्द विलियम गॉड द्वारा

हरित क्रांति के अवयव:

- हाई यील्डिंग वेराइटी बीज (HYV)
- सिंचाई
- रासायनिक उर्वरक
- मशीनीकरण
- कृषि साख में वृद्धि
- खरपतवारनाशी
- पीड़कनाशी
- कृमिनाशी

मानचित्र सही से बनायें।

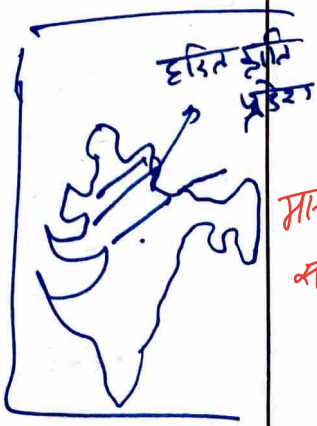

हरित क्रांति का प्रभाव:-

1. भारत एक आयातक देश से खाद्यान्न निर्यातक देश मे परिवर्तित हो गया

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

उदा. 1950-51 के गेहूँ - 11 मिलियन टन
2009-10 में गेहूँ - 141 मिलियन टन

② किसानों की आय में वृद्धि

③ रासायनिक उर्वरकों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित हुआ

④ वर्तमान के भारत गेहूँ, कपास, चावल का शीर्ष उत्पादकों में शामिल एवं फल व सब्जी का शीर्ष उत्पादक

⑤ कृषि के मशीनीकरण - पिछले एक वर्ष में 1.54 लाख ट्रैक्टरों की बिक्री

⑥ कृषि में रोगों की संख्या में कमी - टीकाकरण एवं उचित रोकथाम

⑦ किसानों के लिए - किसान क्रेडिट कार्ड भेजना

⑧ किसानों के जीवन स्तर में वृद्धि

हरित क्रांति से उत्पन्न समस्याएं -

सामाजिक समस्याएं -

- घरेलू हिंसा में वृद्धि
- व्यसनकारी एवं मौलिकवादी प्रवृत्ति
- लैंगिक असमानता में वृद्धि
- मानव आर्थिक व विवेकी हो गया है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

- भूमि की दरों में इजाफा
- भूमि के प्रति अत्याधिक लगाव - भूमि का fragmentation
- दहेज प्रथा में वृद्धि
- शिक्षा से कृषि की ओर प्रस्थान
- ब्रांडिंग को बढ़ावा

(2) पारिस्थितिक प्रभाव -

- भूमि अवनयन एवं भूमि की उत्पादकता में ह्रास
- भूमि में लवणीकरण एवं रेह व कल्लर का निर्माण उदा. - पंजाब
- भौम जल स्तर में कमी उदा. पंजाब, हरियाणा में 95% तक भौमजल का उपयोग
- सुपोषण से जलीय जीवों का ह्रास
- खाद्य शृंखला में रसायनों का प्रवेश

(3) आर्थिक प्रभाव :-

- कृषि ऋणों में वृद्धि
- कृषि सब्सिडी का अनुचित उपयोग
- राजकोष को हानि
- सरकार द्वारा समय-समय पर बेलआउट पैकेज

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

आगे की राह -

- संधारणीय द्वितीय हरित क्रांति की आवश्यकता
- सभी क्षेत्रों की ओर ध्यान देने की आवश्यकता
- अधिकतम फसलों को शामिल करना
- पर्यावरण के महत्वपूर्ण घटक के रूप में शामिल करना
- किसानों को कम वैविध्य प्रयोग करने के लिए प्रेरित करना

अतः जहाँ एक ओर हरित क्रांति ने भारत को खाद्यान्नों में आत्मनिर्भर बना दिया वहीं अनेक समस्याओं को भी जन्म दिया जिन्हे निस्तारित करने के लिए एक समावेशी द्वितीय हरित क्रांति की आवश्यकता है।

6/20

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

Q (b) ग्रामीण अर्थव्यवस्था के उत्थान के लिये रेशम उत्पादन को एक आदर्श कार्यक्रम के रूप में चर्चा कीजिये।

रेशम उत्पादन एक प्राथमिक कार्य है जिसके द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों के रेशम का उत्पादन किया जाता है। इसे सेरीकल्चर कहते है।

रेशम उत्पादन प्रक्रिया :-

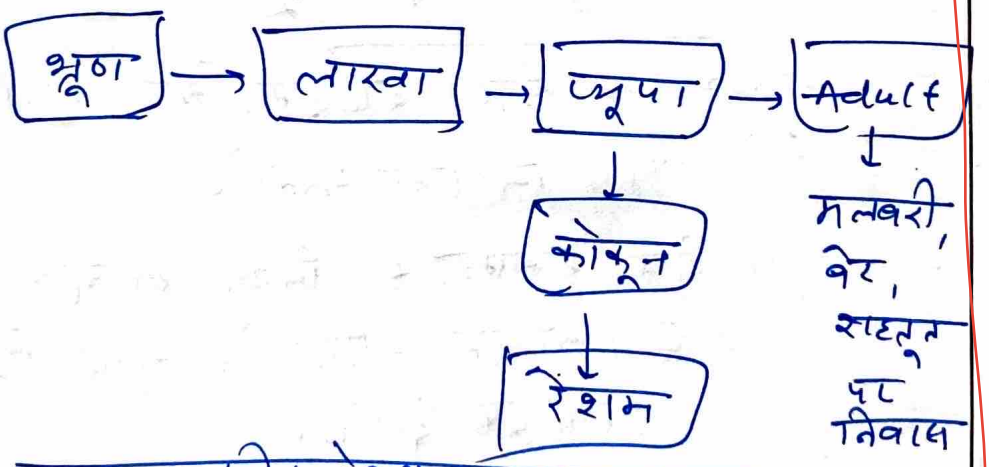

चित्र : रेशम उत्पादन

- भ्रूण अपनी प्रारम्भिक अवस्था से जैसे-जैसे विकास करता है। यह लारवा में बदलता है।
- लारवा से इसका विकास प्यूपा में

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

होता है। यह प्यूपा अपने मुंह से लार का स्त्रवण करता है जिसे यह अपने चारों ओर लपेट लेता है।

- इस तरह से प्राप्त कोकून से रेशम प्राप्त होता है।
- रेशम प्राप्ति के लिए कोकून को गर्म जल में तपाया जाता है एवं इससे फिर रेशम निकाला जाता है।
- भारत में चार तरह के रेशम पाये जाते हैं- मलबरी (91%), एरी (6%), टसर (3%) एवं मूगा।
- रेशम का कीट शहतूत, केर आदि पेड़ों पर निवास करता है।
- भारतीय रेशम की विश्व में अत्यधिक माँग है। भारत, चीन के बाद द्वितीय रेशम उत्पादक देश है।
- 1 किग्रा. रेशम के लिए 50-60 किग्रा. रेशम कीट की आवश्यकता होती है।
- रेशम से साड़ियाँ, पर्दे आदि का निर्माण किया जाता है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

रेशम उत्पादन आदर्श कार्यक्रम के रूप में :

1. रेशम उत्पादन के लिए कच्चा माल स्थानीय रूप से उपलब्ध है एवं व्यापक मात्रा में है।
2. इससे ग्रामीण वानिकी को भी बढ़ावा मिलेगा।
3. स्थानीय स्तर पर ही लोग रेशम उत्पादन द्वारा अपनी आजीविका अर्जित कर पायेंगे।
4. इससे भारतीय GDP के साथ-साथ निर्यात वृद्धि से फोरेक्स रिजर्व में भी वृद्धि होगी।
5. ग्रामीण पुरुषों एवं महिलाओं के मध्य सौहार्द्र एवं बंधुत्व बढ़ेगा।
6. महिला सशक्तिकरण
7. कृषि के समान्तर अथवा विकल्प के रूप में।

रेशम उत्पादन द्वारा ग्रामीण कृषकों की आय वृद्धि एवं महिलाओं की आय सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है।

समाज के कमजोर वर्ग के संदर्भ में रेशम उत्पादन में लाभों संदर्भ में चर्चा नहीं

विषय वस्तु विस्तार बढ़ायें।

मॉडल उत्तर देखें।

4½/15

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

(8)(c) समावेशी विकास के एक मापदंड के रूप में मानव विकास सूचकांक का आलोचनात्मक विवरण कीजिये।

मानव विकास सूचकांक

UNDP द्वारा जारी किया जाने वाला सूचकांक है जिसके आधार पर किसी देश के विकास का स्तर पता लगाया जाता है।

HDI
- शिक्षा
  - शिक्षा के औसत वर्ष
  - शिक्षा के अपेक्षित वर्ष
- स्वास्थ्य
  - जन्म के समय जीवन प्रत्याशा
- जीवनस्तर
  - प्रति व्यक्ति आय

HDI परिदृश्य :-

1. विश्व में सर्वाधिक HDI स्विट्जरलैण्ड
2. एशिया के श्रीलंका सर्वोच्च स्थान पर (73)
3. भारत की रैंकिंग 100 से अधिक

भारत में HDI –

① **शिक्षा**
- शिक्षा के अपेक्षित वर्ष 11.9 वर्ष
- शिक्षा के औसत वर्ष 9.6 वर्ष

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

2. जन्म के समय जीवन प्रत्याशा - 67 वर्ष
3. प्रति व्यक्ति आय - $ 6590 प्रति व्यक्ति

समावेशी विकास के मापदण्ड के रूप में HDI

1. मानव की मूलभूत आवश्यकताओं अर्थात शिक्षा, स्वास्थ्य व जीवन स्तर पर फोकस करता है।
2. वर्तमान में उपलब्ध विभिन्न मापदण्डों में श्रेष्ठतम
3. सभी क्षेत्रों से आँकड़े एकत्र कर डाटा तैयार करता है
4. लगभग सभी देशों की विश्वसनीयता
5. HDI के आधार पर विभिन्न देश नीति निर्माण करते हैं।
6. तुलनात्मक विवरण प्रस्तुत करने एवं अन्य देशों से तुलना करने के जैसे - भारत, अपने पड़ोसी देशों से बदतर हालात में
7. अत्यधिक अनुसंधान के बाद तैयार किये गये आँकड़े

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए! Candidates must not write on this margin.

मानव विकास सूचकांक आलोचनात्मक :-

1. केवल शिक्षा, स्वास्थ्य व जीवन स्तर के आधार पर विकास का निर्धारण
2. बदलते परिवेश के साथ स्वयं के परिवर्तन नहीं जैसे - डिजिटल उपलब्धता एवं पहुँच का समावेश नहीं
3. डाटा को सीमित क्षेत्रों से एकत्रित करना। जैसे - भारत के बिहार से एकत्रित डाटा सम्पूर्ण भारत के लिए समान नहीं है।
4. विभेदनकारी निर्णय प्रक्रिया

आगे की राह :-

- समयानुरूप नवीन संकेतकों के प्रयोग की आवश्यकता
- आँकड़ों को विस्तृत क्षेत्रों से तकनीकी द्वारा एकत्रित किया जाना चाहिए।

HDI मानव विकास का महत्वपूर्ण संकेतक साबित हुआ है किंतु समयानुरूप परिवर्तन करके इसे और प्रभावी बनाया जा सकता है।

इस प्रश्न को विस्तार से रचना करें।

न्याय संगत, विकास की समावेशी विकास की दिशा में कदम शामिल

5½/15